2017

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	
[redacted]		

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

[redacted]

र पुस्तिका का सरल क्रमांक: 2329914

[redacted]कों में — परीक्षार्थी का रोल नम्बर

2	7	2	1	3	4	1	4	9

नीचे दिये गये उदाहरण के अनुसार रोल नम्बर भरें

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे ➔

क – पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में ✗ शब्दों में ✗

ख – परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 14

ग – परीक्षा का दिनांक 07 03 2017

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकण्डरी परीक्षा केन्द्र क्रमांक-212027

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
संदीप शर्मा Sandeep	

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ➔

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
Lalita Dhule 9540455	B.S.UPADHYAY 9540466

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कुल प्राप्तांक शब्दों में	कुल प्राप्तांक अंकों में

22

32

58

② [ ] + [ ] = [ ]

पृष्ठ | पृष्ठ 2 के अंक | कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

क्र.

Q-1

(i) 1578 ई.

(ii) निबंध

(iii) फणीश्वरनाथ रेणु

(iv) 152

(v) गुलाब राय

Q-2

(i) बादल

(ii) धर्मनिष्ठा

(iii) 1915

(iv) वर्षा

(v) ~~बादल~~ कमल

3

योग पूर्व पृष्ठ + पृ० के अंक = कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

प्र०-3

(i) सत्य

(ii) असत्य

(iii) सत्य

(iv) असत्य

(v) असत्य

BSE

प्र०-4

(i) तीन बच्चे — सुभद्राकुमारी चौहान

(ii) यशोधरा की व्यथा — मैथिलीशरण गुप्त

(iii) पुस्तक — निबंध

(iv) रहिमन विलास — रहीम

(v) शौर्य गाथा — भूषण

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

उत्तर-5

(i) गांधीजी के अनुसार सच्ची शिक्षा मनुष्य मे चरित्र निर्माण तथा कर्तव्य का बोध कराती है।

(ii) गंगाजल = गंगा + जल

(iii) कर्मधारय समास

(iv) रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद होते हैं।

(v) कर - टैक्स (Tax)

उत्तर-6

अथवा

मोमबत्ती बुझने पर चांदनी खिड़की और दरवाजे से होती हुई पूरे कमरे मे फैल गई। पूरा वातावरण चाँदनी मे डूबा हुआ था।

उत्तर-7.

राजा का चुनाव इसलिए आवश्यक था क्योंकि देश के राजा निःसंतान थे और वह भी स्वर्गवासी हो गए थे। देश का

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH
प्रश्न क्र.

राज-कार्य संभालने के लिए योग्य व्यक्ति चाहिए इसलिए राजा का चुनाव आवश्यक था।

उत्तर - 8

अथवा

निबंध शब्द नि: + बंध से बना है जिसका अर्थ अच्छी तरह से बंधी हुई परिमार्जित प्रौढ रचना से है। अंग्रेजी मे निबंध को 'Essay' कहते है जिसका अर्थ प्रयत्न करना है। यह मूलत: फ्रांसीसी शब्द 'एसाई' से लिया है जिसका अर्थ प्रयत्न, प्रयोग करना है।
यदि गद्य कवियों या लेखको की रचना है तो निबंध भी गद्य की रचना है।

उत्तर - 9

अथवा

बाबू गुलाब राय - निबंध उस गद्य रचना को कहते है जिसमे एक सीमित आकार के भीतर किसी विषय का वर्णन या प्रतिपादन एक निजि स्वच्छंदता, आवश्यक संगीत आदि में होता है।

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 10

पर्यायवाची

कमल - सरोज, जलज, ~~पंकन~~ पंकज

गँगा - भागीरथी, मंदाकिनी

प्रश्न - 11

समास - विग्रह

(i) कमल नयन - कमल के समान नयन

~~कर्मधारण~~

- ~~कर्मधारण~~ कर्मधारय समास

(ii) नवरत्न - नौं रत्नों का समाहार

- द्विगु समास

प्रश्न - 12

वाक्य - शुद्ध

(i) आप सादर आमंत्रित हैं।

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 12

शुद्ध वाक्य

(i) आप सादर आमंत्रित हैं।

(ii) शीला के सिर में दर्द है।

प्रश्न - 13

"विश्व एक बौद्धिक समाज में परिवर्तित हो रहा है।"

आज ज्ञान का युग है। यह ज्ञान सभी के लिए जरूरी है। सभी किसी न किसी ज्ञान को ग्रहण कर रहे हैं। बौद्धिक समाज की प्रक्रिया निरंतर चल रही है। यदि भारत को प्रगितिशील बौद्धिक समाज में परिवर्तित करना है तो धर्मों के संतो, दार्शनिको, गतिणतज्ञो, वैज्ञानिको, कवियो की जरूरत है। इन सभी की मदद से हम एक बौद्धिक समाज में परिवर्तित हो रहे हैं। इसी प्रकार विश्व एक बौद्धिक समाज में परिवर्ति हो रहा है।

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRAD

श्न क्र.

प्रश्न - 14

तकनीकी शब्द

(i) हाइड्रोजन
(ii) नाइट्रोजन
(iii) राडार
(iv) तत्व

प्रश्न - 15

(i) छात्र - विद्यार्थी
वाक्य - मेरी कक्षा में बीस छात्र हैं।

क्षात्र - क्षत्रिय
वाक्य - देश की रक्षा करना क्षत्रिय धर्म हैं।

(ii) वसन - कपड़ा (वस्त्र)
वाक्य - कृष्ण जी पीले वसन पहने हुए हैं।

व्यसन - बुरी आदते
वाक्य - मदिरापान एक प्रकार का व्यसन है।

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर - 16

रहीम ने धन को महत्व इसलिए दिया है क्योंकि धन में मित्र बनाने की शक्ति होती है। जिस व्यक्ति के पास धन नहीं होता उसका कोई मित्र नहीं बनता है। धन आ जाने से कई लोग मित्र बन जाते हैं। लेकिन वह सभी मित्रता की कसौटी पर खरे उतरे यह जरूरी नहीं।

अर्थात हम यह कह सकते हैं कि धन में मित्र बनाने की अपार शक्ति है।

उत्तर - 17

कवि ने हिमालय से हमारे कई सम्बन्ध बताए हैं -

(1) जिस प्रकार हिमालय पर प्रातःकाल तथा सायंकाल का दृश्य समान होता है उसी प्रकार हम लोग भी सुख-दुख को समान भाव से ग्रहण करते हैं।

(2) हिमालय पर्वत की तरह हम भी अटल, अडिग, निश्चल और अविनाशी हैं।

(3) जिस प्रकार हिमालय पर्वत अमर है उसी प्रकार हर भारतीय भी अमर है।

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर - 18.

माँ हमें ऐसी शिक्षा देती है ~~कि~~ जो हमे अपने कर्तव्य की याद दिलाता है। माँ हमे लोरी गाकर सुलाती है तो हमें उठाती भी है। वह भैरवी राग गाकर हमे उठाती है। हमे अपने ~~कर्त~~ कर्तव्य की याद दिलाती है। माँ पालन-पोषण करने वाली ममता है तो वह संघर्ष का मार्ग दिखाने वाली शक्ति है। माँ हमें ऐसी शिक्षा देता है जो हमारे जीवन में काम आए। वह हमें संघर्ष करने की शिक्षा देती है।

उत्तर - 19.

"सबल के बल का सदुपयोग ही सफलता की कुंजी है।" यह कथन हमे बताता है कि हमे अपने बल का सदुपयोग करना चाहिए। अपने बल का उपयोग अच्छे कार्यों में लगाना चाहिए। हमारे बल के उपयोग की प्रेरणा प्रेम से आनी चाहिए। तभी हमे सफलता प्राप्त होगी। जीवन के हर लक्ष्य ~~में~~ हमें प्राप्त होगा। बल के सदुपयोग से हमें जीवन के हर क्षेत्र मे सफलता दिलाएगी। अर्थात हम कह सकते है कि सबल के बल का सदुपयोग ही सफलता की कुंजी है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

न क्र.

उत्तर - 20

दुनियाँ में दो अमोघ शक्तियाँ 'शब्द और कृति मानी गई है। शब्द शक्ति ने तो सारी धरती को हिला कर रख दिया है। शब्द शक्ति से तात्पर्य है भाषा ज्ञान। शब्द शक्ति से हम किसी का कुछ भी छीन सकते है। कृति शक्ति में ~~देवत्व~~ देवत्व का निवास होता है। इससे व्यक्ति प्रेम करते हुए शाँति का अनुभव करता है। ~~शब्द~~ में ~~म~~ महात्मा गांधी ने दोनों शक्तियों की असाधारण उपासना की है।

कस्तूरबा की निष्ठा दोनों शक्तियों से अधिक सृष्टि की निर्मित शक्ति महात्मा गांधी में थी। जिन्होंने कृति को सर्वश्रेष्ठ माना है।

उत्तर - 21 (21)

केरल के गाँवो की निम्नलिखित विशेषताएँ है। यहाँ लोग भोजन के बाद जीरे का उबला कुनकुना ~~पीना~~ पानी पीते है। यहाँ शिक्षा का स्तर ऊँचा होने के कारण लोगो के रहन-सहन का स्तर ऊँचा है। यहाँ गाँवो की एक-एक गली साफ, स्वच्छ है। प्रत्येक गाँवो में डाकघर, छोटा दवाखाना, स्कूल है। यहाँ हर गाँव में बिजली है। हर गाँव

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

में स्कूल है। ~~कं~~ दो चार - गाँवो ~~की~~ के बीच एक हाईस्कूल है। पचीस - तीस गाँवो के बीच एक कॉलेज है। इस प्रकार हम ~~कर~~ कह सकते है कि केरल के गाँव सम्पूर्ण तरीके से सम्पन्न है।

उत्तर - 22.

यशोदा ने देवकी को संदेश भेजा है कि कृष्ण की असली माँ तुम ही हो। मैं तो उसका पालन - पोषण करने वाली धाय हूँ धाय बच्चे के संबंध में माँ से कुछ भी कहे यह अनुचित ही लगेगा। तुम कृष्ण पर दया - ममता करती रहना। कृष्ण को सुबह नाश्ते मे माखन-रोटी ही अच्छी लगती है। तेल, ~~उब~~ उबटन, गरम पानी को देखकर ~~वह~~ वह भाग जाता है। तुम्हे उसकी ~~फर~~ फरमाइशो को पूरा करके उसे ~~स्नान~~ स्नान करवाना पड़ेगा। यशोदा को चिंता होती है कि कृष्ण बड़ा संकोची स्वाभाव का है। वह अपने मन से कुछ भी नही कहेगा। वह अपने मन को मारकर तुम्हारे हिसाब से चलेगा।

अर्थात इस संदेश से हम कह सकते है कि कृष्ण पर यशोदा का अधिकार ज्यादा है। वह यह संदेश कृष्ण की आदतो को बताने के लिए देवकी को भेजती है।

BSE

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर - 23

सिरचन एक ग्रामीण कलाकार है। उसके जैसे मोथी ~~घर~~ घास की रंगीन शीतलपाटी कोई नही बना सकता है। वह बाँस की तीलियों से चिक, सतरंगे डोरे के मोढ़े, भूसी रखने के लिए, ताल के पत्तों की छतरी, टोपी बनाने का कुशल कारीगर था।

लोगो की सिरचन के प्रति दो प्रकार की धारणा था। पहले लोग उसे पूजते थे। उसकी खुशामद करते थे। अपना काम करवाने के लिए मनन्त ~~करते~~ करते थे। समय के साथ लोगो की धारणा सिरचिन के प्रति बदल गई। वह उसे कामचोर और चटोर कहने लगे। वह उसकी खुशामद नहीं करते है। वह उसको तिरस्कार करते है। अब लोग उसकी कारीगारी के लिए पैसा देना जरूरी नही समझते है। भरपेट खाना खिलादो और एकाध फटा-पुराना कपड़ा देना ही मजदूरी समझते है। सिरचिन दिन-प्रतिदिन ~~कामचोर~~ कामचोर होता जा रहा है। इस प्रकार सिरचन के प्रति लोगो की दो प्रकार की धारणा थी जो की सही थी।

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL मध्यप्रदेश

क्र.

प्रश्न - २४

अथवा

संदर्भ - प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक मकरंद के भाग - २ के पाठ 'माँ' से ली गई है। इसके रचयिता बालकवि वैरागी जी है

प्रसंग - प्रस्तुत पद्यांश मे कवि ने बि माँ के विराट व्यक्तित्व को बताया है। माँ कौन - कौन सी शक्तियों को धारण किए हुए है।

व्याख्या - प्रस्तुत पद्यांश में कवि माँ की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहता है कि माँ का व्यक्तित्व विराट है। माँ ने पृथ्वी के गुण धैर्य को धारण किया हुआ है। माँ कहती है कि - मुझमे धरा का धैर्य है। आकाश की ~~ज~~ ज्वाला अर्थात ~~ज्व~~ ज्योति है। आग की लपट है। वायु की गति व्यापक है। नीर की गंभीरता है। कवि कहना चाहता है कि माँ ने पृथ्वी के पंचतत्वों को धारण किया हुआ है। माँ के वात्सल्य रूप का वर्णन है। माँ पूजनीय, वंदनीय है। माँ जन्म देने वाली है। माँ की वत्सला एक प्रकार से विश्व की शुभ कामना है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

विशेष :- (1) माँ धरती के पंचतत्वों को धारण किए हुए है।
(2) माँ के वात्सल्य का अनुपम वर्णन है।
(3) माँ के विराट व्यक्तित्व का वर्णन है।

प्रश्न - 25.

(i) शीर्षक - शिक्षा का उद्देश्य

(ii) बेकारी का पर्याय - बेरोजगारी

(iii) सारांश

आज सभी शिक्षा तो प्राप्त करते है। परंतु वह मनुष्य में कर्तव्य तथा चरित्र निर्माण नही कर सकती है। हमारी वर्तमान शिक्षा प्रणाली मे शिक्षा का उद्देश्य नही समझाया गया है। अक्षर-ज्ञान ~~से~~ शिक्षा नही है। डिग्री प्राप्त करने के बाद भी लोग बेरोजगारी की मार सह रहे है।

(iv) शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य को ~~म~~ मनुष्य बनाना है। उसमें आत्म निर्भरता की भावना तथा चरित्र निर्माण करना होता है। शिक्षा से मनुष्य को काम मिलता है। ~~व~~ वह उसकी जीवन को सँवारती है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 26.

(i) शीर्षक / देश के प्रति कर्तव्य

(ii) काली घटा से तात्पर्य है देश की पराधीनता से है। हमें अपने देश को काली घटा से बचाना है। ~~देश~~
तात्पर्य यह भी है कि देश के सम्मान पर कोई काला धब्बा न लग पाए।
काली घटा - परतंत्र के बादल

(iii) भावार्थ :- कवि हमें संबोधन करते हुए कहते हैं कि अगर हम देश की स्वाधीनता तथा सम्मान को बचाने का ठान ले तो युग ~~की~~ को एक नई तस्वीर मिलेगी। तुम ~~दुश्वर~~ दुश्मन को मार सकोगे। अपनी जान देश के लिए न्यौछावर कर दो। देश के सम्मान को बचा लो। तथा देश की स्वाधीनता पर आँच तक नही आने दो।

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 27

36, नगर भवन
भोपाल, (म.प्र)
दिनांक - 07/03/2017

पूज्य पिताजी,
सादर चरण स्पर्श,
मैं यहा सकुशल हूँ। आशा है कि आप भी कुशल होंगे। पिछले सप्ताह आपका पत्र मिला। पत्र में आपने मेरी बोर्ड परीक्षा की तैयारी हेतु प्रश्न किया।
पिताजी आपको यह जानकर बहुत खुशी होगी कि मैं अपने बोर्ड परीक्षा की तैयारी बहुत अच्छे तरीके से कर रहा हूँ। आशा है आपको बेहतर परिणाम दे सका हूँ। मैं चाहता हूँ कि मेरा नाम प्रावीण्य सूची में हो। इसके लिए मैं दिन-रात एक कर रहा हूँ।
इस प्रकार मैं अधिक परिश्रम के साथ बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहा हूँ। आप मेरी पढ़ाई की चिंता छोड़ दे।
अंत मे माताजी के चरण स्पर्श, अनुष्का को प्यार।

आपका प्रिय पुत्र
करण

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADE

प्रश्न क्र.

प्रश्न - २४.

पर्यावरण प्रदूषण और हमारा दायित्व

निबंध की रूपरेखा
- प्रस्तावना
- प्रदूषण से तात्पर्य
- प्रदूषण के प्रकार
- प्रदूषण से हानियाँ
- प्रदूषण से बचने के उपाय
- हमारा दायित्व
- उपसंहार

प्रस्तावना :- आज हमारे देश की यह बहुत बड़ी समस्या है। प्रदूषण से हमें अनेक हानियाँ हो रही हैं। प्रदूषण ~~का~~ हमारे पर्यावरण को दूषित कर रहा है। यह बहुत बड़ी समस्या है। हमें इसको दूर करने के अनेक उपाय उपयोग में लाने पड़ेंगे। हमारा दायित्व हमें निभाना पड़ेगा तभी हम भारत को प्रदूषण से मुक्ति ~~दिलाने~~ मिलेगी।

प्रदूषण से तात्पर्य :- प्रदूषण अर्थात गंदा करना। हम अपने पर्यावरण को अनेक प्रकार से प्रदूषित कर रहे हैं। इससे अनेक ~~स्व~~ समस्याएँ

सामने आ रही है। हम अपने पर्यावरण को अनेक तरीकों से गंदा कर रहे हैं। जिससे अनेक हानियाँ जैसे की सेहत खराब आदि सामने आ रही है।

प्रदूषण के प्रकार :- प्रदूषण मुख्य रूप से चार प्रकार के होते हैं। वह हैं -

(1) ध्वनि प्रदूषण
(2) जल प्रदूषण
(3) वायु प्रदूषण
(4) थल प्रदूषण

ध्वनि पदूषण लाउडस्पीकरो से होता है। अनेक प्रकार के यातायात जैसे कार, ट्रक, मोटर-साईकल, आदि के होर्न से यह प्रदूषण होता है। रात को लाउडस्पीकरो का प्रयोग, डी.जे का प्रयोग यह प्रदूषण करता है। जल का प्रदूषण कारखानो से निकलने वाली गंदगी से होता है। पूरी गंदगी हम नदी तालाबो में डाल देते हैं। जिससे यह प्रदूषण होता है। वायु प्रदूषण मुख्य रूप से यातायात तथा कारखानो से निकलने वाले धुए से होता है। थल प्रदूषण कचड़े को यहाँ वहाँ फेकने से होता है।

प्रदूषण से हानियाँ — प्रदूषण से अनेक-प्रकार की हानियाँ हो रही हैं। अनेक रोग मनुष्य को पकड़ रहे हैं। मनुष्य की

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADE

प्रश्न क्र.

सेहत खराब होती जा रही है। मनुष्य की उम्र दिन-प्रतिदिन कम होती जा रही है। यह सबसे बड़ी हानियाँ है। ध्वनि प्रदूषण से हृदय रोग बढ़ रहे हैं। जल प्रदूषण से ~~पेट~~ पेट दर्द ~~खराब~~ हो रहा है।

प्रदूषण से बचने के उपाय :- हमें प्रदूषण से बचने के अनेक उपाय सोचने चाहिए। वर्ना एक दिन हम नष्ट हो जाएंगे। हम जल प्रदूषित नहीं करना चाहिए। जानवरों को नदी तालाबों में नहीं नहलवाना चाहिए। लाउडस्पीकरों का उपयोग कम करना चाहिए। रात को डी.जे नहीं बजाना चाहिए।

<u>हमारा दायित्व</u> :- हमारा दायित्व यह है कि देश के जागरूक नागरिक होने के कारण प्रदूषण कम से कम करें। जो करते हैं उन्हें रोके। इसी में हमारी भलाई है।

उपसंहार :- अंत में ~~बह~~ बस यह कि जीवन को बचाने के लिए हमें प्रदूषण कम से कम करना चाहिए। देश को बचाने के लिए प्रदूषित वातावरण को स्वच्छ बनाना पड़ेगा। तभी भारत महान बन पाएगा।

BSE
BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

पृष्ठ + पृष्ठ के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

खण्ड - (ब)

बेरोजगारी की समस्या

(1) प्रस्तावना
(2) बेरोजगारी से तात्पर्य
(3) बेरोजगारी के कारण
(4) बेरोजगारी से हानियाँ
(5) बेरोजगारी से बचने के उपाय
(6) हमारा दायित्व
(7) उपसंहार